NCERT SOLUTIONS

CLASS - 7th

aglasem.com

Class : 7th

Subject : हिन्दी

Chapter : 10

Chapter Name : अपूर्व अनुभव

Q1 यासूकी – चान अपने पैर पर चढ़ने के लिए तोते चान ने अथक प्रयास क्यों किया? लिखिए ।

Answer.

यासूकी - चान तोते- चान का मित्र था। यासूकी चान को पोलियो था ,इसीलिए वह किसी पेड़ पर नहीं चढ़ सकता था।ना और न ही किसी पेड़ को अपनी निजी संपत्ति मानता था। वह दूसरे बच्चों को पेड़ पर चढ़ते हुए देखकर मन ही मन उदास रहता था।उसका हौसला बढ़ाने के लिए तथा आत्मविश्वास को जगाने के लिए तोत्तो - चान ने उसे पेड़ पर चढ़ाने का अथक प्रयास किया।

Page : 81 , Block Name : पाठ से

Q2. ढुढ निश्चय और अथक परिश्रम से सफलता पाने के बाद तोत्ता- चान और यासूकी चान को अपूर्व अनुभव मिला, इन दोनों के अपूर्व अनुभव कुछ अलग- अलग । दोनों में क्या-क्या अंतर रहे? लिखिए।

Answer :

सफलता के बाद दोनों के अपूर्व अनुभव अलग - अलग थे।एक तरफ तोत्तो- चना को लग रहा था कि आने एक असंभव कार्य को संभव कर दिया है ।उसे यासुनी-चान को पेढ़ पर चढ़ाकर जीत की खुशी को अनुभव कर रही थी,दूसरी और यासुकी- चान ने कभी सपने में भी नहीं सोचा थ ा कि क्ह जीवन में कभी पेड़ पर भी चढ़ सकता है।उसने ऐसा कार्य किया था जिसकी उसने कल्पना भी नहीं की थी।

Page : 81 , Block Name : पाठ से ।

Q.3 पाठ से खोजकर देखिए –

कब सूरज का ताप यासूकी-चान और तोत्ता -चान पर पड रहा था, वे दोनों पसीने से तरबतर हो रहे थे और कब बादल का एक टुकड़ा उन्हें छाया देकर कड़कती धूप से बचाने लगा था ।आप के अनुसार इस प्रकार परिस्थिति के बदलने का क्या कारण हो सकता है?

Answer:

सूरज का ताप उन पर तब पड़ रहा था । जब तोत्ता- चान और यासूकी-चान एक तिपाई -सीढ़ी के द्वारा पेड़ की द्विशाखा तक पहुंच रहे थे । बादल का टुकड़ा बीच-बीच में छाया करके उन्हें कर कड कती धुप से बचा रहा था ।जब तोत्ता – चान अपनी पूरी ताकत से यासूकी-चान को पेड़ की ओर खींच रही थी। इस प्रकार परिस्थिति बदलने का कारण मेरी अनुसार दोनों मित्रों के प्रति प्रकृति की सहृदयता थी। प्रकृति चाहती थी कि दोनों बच्चे अपने- अपने प्रयास में सफल हो ।

aglasem.com

Page : 81 , Block Name : पाठ से ।

Q. 4 यासूकी- चान को लिए पेड़ पर चढ़ने का यह …… अंतिम मौका था' इस अधूरे वाक्य को पूरा कीजिए और लिखकर बताइए कि लेखक ने ऐसा क्यों लिखा होगा।

Answer :

लेखक ने ऐसा इसलिए लिखा होगा क्योंकि एक तो यासूकी -चान पोलियो से पीड़ित था और वह स्वयं पेड़ पर चढ़ने में असमर्थ था ।दूसरा उसका मित्र तोत्ता -चान ने किसी को बताए बिना उसे पेड़ पर चढ़ाने का जोखिम भरा निर्णय लिया था ।यदि कोई बड़ा उनको देख लेता तो उनको डांट पड़ती और शायद उनका यह आख़िरी मौका होता।

Page : 81 , Block Name : पाठ से ।

पाठ से आगे

Q 1. तोता चान ने अपनी योजना को बड़े इसीलिए छिपा लिया कि उसमें जोखिम था, यासूकी- चान के गिर जाने की संभावना थी ।फिर भी उसके मन में यासूकी चान को पेड़ पर चढ़ाने की ढुढ. इच्छा बुद्धि और कठोर परिश्रम से अवश्य पूरी हो जाती है। आप किस तरह की सफलता के लिए तीव्र इच्छा और बुद्धि का प्रयोग कर कठोर परिश्रम करना चाहते हैं ।

Answers:

हम कुछ ऐसे कार्यों के लिए कठिन परिश्रम और बुद्धि का प्रयोग करेंगे जिसमें हम किसी के चेहरे पर मुस्कुराहट ला सके और हम जीवन में अपने लक्ष्य को पाने के लिए तीव्र इच्छा और बुद्धि का उपयोग करके कठोर परिश्रम करना चाहते है।

Page : 81 , Block Name : पाठ से आगे

Q. 2. हम अकसर बहादुरी के बड़े-बड़े कारनामों के बारे में सुनते रहते हैं, लेकिन 'अपूर्व अनुभव', कहानी एक मामूली बहादुरी और जोखिम की ओर हमारा ध्यान खींचती है। यदि आपको अपने आसपास के संसार में कोई रोमांचकारी अनुभव प्राप्त करना हो तो कैसे प्राप्त करेंगे?

Answer - छात्र स्वंय करे।

Page : 81 , Block Name : पाठ से आगे

अनुमान और कल्पना

Q 1 अपनी माँ से झूठ बोलते समय तोत्तो - चान की नज़रें नीचे क्यों थीं ?

Answer

तोत्तो-चान ने अपनी माँ से झूठ बोला था कि वह यासुकी- चान के घर जा रही है।अगर वो सच बताती तो उनको डांट पड़ती।जबकि वह यासुकी - चान को पेड़ पर चढ़ाने जा रही थी।इसलिए उसकी नज़रें नीची थी।

Page : 81 , Block Name : अनुमान और कल्पना

Q2 यासुकी चान जैसे शारीरिक चुनौतियों से गुजरने वाले व्यक्तियों के लिए चढ़ने उतरने की सुविधाएँ हर जगह नहीं होती। लेकिन कुछ जगहों पर ऐसी सुविधाएँ दिखाई देती है। उन सुविधा वाली जगहों की सूची बनाइये।

Answer

यासुकी चान जैसे शारीरिक चुनौतियों से गुजरने वाले व्यक्तियों सरकार ने सरकारी अस्पतालों, कुछ घूमने वाली जगहों, स्टेशनों, आदि पर उनकी चढ़ने उतरने की सुविधाएँ प्रदान की है।

Page : 82 , Block Name : अनुमान और कल्पना

भाषा की बात

Q. 1. द्विशाखा शब्द द्वि और शाखा के योग से बना है। द्वि का अर्थ है-दो और शाखा का अर्थ है- डाल। द्विशाखा पेड़ के तने का वह भाग है जहाँ से दो मोटी-मोटी डालियाँ एक साथ निकलती हैं। द्वि की भाँति आप त्रि से बननेवाला शब्द त्रिकोण जानते होंगे। त्रि का अर्थ है तीन। इस प्रकार, चार, पाँच, छह, सात, आठ, नौ और दस संख्यावाची संस्कृत शब्द उपयोग में अकसर आते हैं। इन संख्यावाची शब्दों की जानकारी प्राप्त कीजिए और देखिए कि क्या इन शब्दों की ध्वनियाँ अंग्रेज़ी संख्या के नामों से कुछ-कुछ मिलती-जुलती हैं, जैसे – हिंदी-आठ, संस्कृत-अष्ट, अंग्रेज़ी-एट।

Answer - छात्र स्वंय करे।

Page : 82 , Block Name : भाषा की बात

Q. 2. पाठ में 'ठिठियाकर हँसने लगी', 'पीछे से धकियाने लगी' जैसे वाक्य आए हैं | ठिठियाकर हँसने के मतलब का आप अवश्य अनुमान लगा सकते हैं | ठी-ठी-ठी हँसना या ठठा मारकर हँसना बोलचाल में प्रयोग होता है | इनमें हँसने की ध्वनि के एक खास अंदाज़ को हँसी का विशेषण बना दिया गया है | साथ ही ठिठियाना और धकियाना शब्द में 'आना' प्रत्यय का प्रयोग हुआ है | इस प्रत्यय से फ़िल्माना शब्द भी बन जाता है | 'आना' प्रत्यय से बनने वाले चार सार्थक शब्द लिखिए |

Answer -

बह + आना = बहाना

घर + आना = घराना

पढ़ + आना = पढ़ाना

चल + आना = चलाना

Page : 82 , Block Name : भाषा की बात